Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 03-08-2006
Participants : Mistry Shri Madhusudan Devram,Dasmunsi Shri Priya Ranjan

an>

Title : Regarding news item pertaining to Kandhar trip by the then Minister of External Affairs in connection with the hijacking of flight No. IC 814 in December, 1999.

श्री मधुसूदन मिस्त्री (साबरकंठा) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन और इस देश के लोगों का ध्यान काठमांडू से कंधार तक की फ्लाइट, जिसे आतंकवादी हाइजैक करके कंधार ले गए थे, की ओर दिलाना चाहता हूं। उसे पहले अमृतसर में उतारा गया। उस समय की बीजेपी सरकार ने उसे कंधार तक ले जाने दिया। मैं सिर्फ तीन मुद्दों पर सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा। इस मामले में कुछ नए तथ्य सामने आए हैं। वे राज्य सभा के सदस्य हैं, अपर हाउस में लीडर ऑफ औपोज़ीशन हैं। उन्होंने एक किताब लिखी है। उसके अंदर यह सारे तथ्य हैं लेकिन मैं उसकी सिर्फ तीन-चार लाइनें पढ़ूंगा जो अंग्रेजी में हैं --

> "The day the demands of the hijackers, two hundred million dollars as ransom money, release of some 36 proven terrorists, the interred bones of one terrorist, at least came to me. I shared them with the Cabinet and sought advice. What should I do? The Cabinet was unanimous, of one voice: 'Reject the demands, go and tell the Press in appropriate words.'"

यहां दो मुद्दे हैं। अगर कैबिनेट उस वक्त डिवाइड थी, ऐसा उन्होंने लिखा है, तो फिर तत्कालीन विदेश मंत्री कैसे गए ? वह निर्णय कैबिनट से ऊपर जाकर किसने लिया? श्री आडवाणी, जो उस समय इसके विरोध में थे, ऐसी बात कही गई कि अगर उन्होंने उसकी सहमति नहीं दी या उनको ओवररूल किया गया, तो किसने किया? उस वक्त जो होम मिनिस्टर थे, क्या उनकी एक भी नहीं चली? उन्होंने 200 मिलियन डालर दिए।...(व्यवधान) मुझे दो मिनट बोलने दिया जाए।...(व्यवधान) वे पैसे कहां से आए, किस देश ने दिए? क्या दूसरे तरीके से दिए गए? साथ ही, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि रैड बैग भी ले गए थे। हम जानना चाहते हैं कि उस रैड बैग में क्या था ? पूरा निर्णय उस वक्त की एनडीए सरकार ने लिया जिसके नेता यह कहते हुए नहीं थकते कि हमसे अधिक और कोई राट्रवादी नेता नहीं है। वही लोग आतंकवादियों को साथ ले जाकर वहां छोड़कर आए, पैसे देकर आए। वे किस सिचुएशन में पैसे देकर आए? पूरी कैबिनेट के विरुद्ध होने के बावजूद भी यह सब कैसे हुआ?...(व्यवधान)

मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस बारे में एक कमेटी बिठाई जाए और पूरे तथ्य देश के लोगों के सामने लाए जाएं।...(व्यवधान) उस वक्त की एनडीए सरकार ने जो कुछ किया, उसके लिए उन्हें पूरे देश से माफी मांगने के लिए यह एप्रोप्रिएट केस है।...(व्यवधान) जो राज्य सभा के मैम्बर हैं...(व्यवधान) It is very important. They cannot run away. राट्रवादी कहलाने वाले लोगों ने इन सारे तथ्यों को छिपाकर रखा।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am sorry. He is entitled to raise it.

श्री मधुसूदन मिस्त्री : उन्होंने सारे तथ्यों को दबाकर रखा, आज तक नहीं बताया। इन सारे तथ्यों को राट्र से छिपाकर रखने के आधार पर यह *... और कुछ नहीं हो सकता। *.... मैं मानता हूं कि इन्होंने सारे तथ्यों को दबाकर रखा और आज तक उन्हें सामने नहीं लाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब आपकी बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बिश्नोई जी, आपका मैटर अर्जेंट नेशनल इम्पार्टेंस का नहीं है। मैं आपको बोलने का मौका नहीं दूंगा।

...(व्यवÉvÉÉxÉ[R26])

MR. SPEAKER: Nothing more will be recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: You have to wait Shri Devendra Prasad Yadav. If you cannot wait, you may go.

Shri S. Mallikarjuniah.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आज कल यह नया तरीका हो गया है कि माननीय सदस्य जो कुछ बोलेंगे, उसके लिए मिनिस्टर को इमीजिएट रिस्पांस करना होगा।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It depends on him and not on me.

… (*Interruptions*)

---

* Not recorded

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): I will convey your concern to the Home Minister.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I think, nobody with any prestige can be Speaker.

… (*Interruptions*)